राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रुपरेखा
पाठ्यचर्या संबंधी लक्ष्य और दक्षताएँ (NCF-SE) 2023

माध्यमिक स्तर (कक्षा– VIII)
विषय : हिंदी

कार्यक्षेत्र	पाठ्यचर्या के उद्देश्य
CG- 1 छात्र विभिन्न प्रकार के(पाठों कहानियाँ , कविता , नाटकों के अंश, निबंध, लेख और समाचार रिपोर्ट के) स्वतंत्र पढ़ने की समझ और सारांश कौशल विकसित करते हैं।	C-1.1 पाठ को ध्यान से पढ़ने पर मुख्य बिंदुओं की पहचान करता है और सारांश प्रस्तुत करता है एवं सुसंगत रूप से उत्तर देता है। C-1.2 स्वयं निर्णय और विकल्प बनाता है और विभिन्न (पाठों कहानियों, कविताओं, नाटकों के अंश) का मूल्यांकन करता है। C-1.3 विभिन्न प्रकार की किताबें लेने और पढ़ने में रुचि दिखाता है।
CG- 2 छात्र विचारों, भावनाओं और सामाजिक घटनाओं (ग्रामीण मेलों, त्योहारों, अवसरों)के अनुभवों के बारे में लिखने की क्षमता प्राप्त करते हैं।	C-2.1 किसी इच्छित उद्देश्य और दर्शकों के लिए लिखने हेतु विचारों और सूचनाओं को व्यवस्थित करने के लिए रणनीतियों का उपयोग करता है। C-2.2 अपने परिवेश के विभिन्न पहलुओं पर अनुभवों, भावनाओं और आलोचनाओं को लिखित रूप में व्यक्त करता है।
CG- 3 छात्र विवरण, विश्लेषण और प्रतिक्रिया के लिए भाषा कौशल का उपयोग करके प्रभावी संचार की क्षमता विकसित करते हैं।	C-3.1 आलोचनात्मक ढंग से सुनता है और सामाजिक अनुभवों पर गहन प्रश्न उठाता है। C-3.2 विभिन्न प्रकार के पत्र और निबंध लिखते हैं। दर्शकों और उद्देश्यों के लिए पृथक –पृथक मीडिया हेतु स्वयं को सक्षम बनाते हैं।
CG- 4 छात्र विभिन्न साहित्यिक उपकरणों और साहित्य के रूपों की संरचना का पता लगाते हैं।	C-4.1 साहित्य के विभिन्न रूपों (गद्य, कविता और नाटकों)के नमूने की पहचान करता है और उनकी सराहना करता है। C-4.2 विभिन्न प्रकार के साहित्य को पढ़कर (उपमा, रूपक, मानवीकरण ,अलंकार ,अतिश्योक्ति और अनुप्रास) जैसे साहित्यिक उपकरणों की पहचान करता है।
CG- 5 छात्र बुनियादी भाषाई पहलुओं(शब्दावली और वाक्य संरचना) को पहचानने और उन्हें मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति में उपयोग करने की क्षमता विकसित करते हैं।	C-5.1 साहित्य के विभिन्न रूपों को पढ़ते समय शैली, विराम चिह्न, काल, लिंग और भाषण के कुछ हिस्सों जैसे बुनियादी भाषाई पहलुओं की पहचान करता है।

वार्षिक पाठ्यक्रम, कक्षा– आठवीं

पाठ्य पुस्तकें :–

1 वसंत भाग–3 संपादक :– एन.सी.ई.आर.टी.
2 व्याकरण – सार्थक हिंदी व्याकरण संपादक :– न्यू सरस्वती हाऊस
3 भारत की खोज संपादक :– एन.सी.ई.आर.टी

क्रम सं0	दिनांक	उपविषय	सीखने के प्रतिफल
I	3 अप्रैल 24 से 30 अप्रैल 24	पाठ–2 लाख की चूड़ियाँ व्याकरण– शब्द–भंडार, क्रियाविशेषण (पुनरावृत्ति), अपठित बोध पाठ–9 कबीर की सांखियाँ व्याकरण – पत्र–लेखन (अनौपचारिक)	(1)छात्र श्रमिक वर्ग के कष्ट व कुटीर उद्योगों की समस्याओं से परिचित होंगे व इनके समाधान के उपाय खोजने का प्रयास करेंगे। (2)कबीर की साखियों में निहित संदेश को समझकर आत्मसात करने का प्रयास करेंगे। (2) पत्र–लेखन के माध्यम से संदेश संप्रेषण का व्यवहारिक अभ्यास करेंगे।
II	01 मई 24 से 28 मई 24	पाठ–7 क्या निराश हुआ जाए व्याकरण–उपसर्ग–प्रत्यय पाठ–15 सूरदास के पद व्याकरण– संवाद–लेखन	1) छात्र श्रीकृष्ण के नटखट बाल रूप से अवगत कराते हुए उनकी बाल लीलाओं का वर्णन करने में सक्षम होंगे। (2) छात्रों में काव्य सौंदर्य तथा अर्थग्रहण संबंधी क्षमता का विकास होगा। (3)छात्रों के जीवन में आशावादिता व सकारात्मकता का संचार होगा। (4) छात्र मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका व उसमें निष्पक्षता की आवश्यकता को जान व समझ सकेंगे।
III	03जुलाई 24 से 31जुलाई 24	पाठ–14 अकबरी लोटा व्याकरण– विराम–चिह्न, समास, अनुच्छेद लेखन,	1 सच्ची मित्रता के गुण को जीवन में धारण कर सकेंगे। 2 छात्रों में विपत्ति को अवसर में बदलने का कौशल विकसित होगा।
IV	01अगस्त 24 से 30 अगस्त 24	पाठ–4 दीवानों की क्या हस्ती व्याकरण– वाक्य–विचार (अर्थ के आधार पर) संबंधबोधक	1 छात्रों में कविता के भाव को जानने की उत्कंठा जागृत होगी। 2 उचित आरोह – अवरोह के साथ कविता का गायन कर सकेंगे। 3 वाक्य परिवर्तन करने में सक्षम होंगे। 4 मौखिक व लिखित अभ्यास (अर्धवार्षिक परीक्षा)

अर्धवार्षिक परीक्षा (2 सितंबर से 20 सितंबर तक)			
VI	23 सितंबर 24 से 30 सितंबर24	पाठ–6 भगवान के डाकिए व्याकरण– श्रुतिसम–भिन्नार्थक शब्द विज्ञापन निर्माण	1 श्रुतिसम–भिन्नार्थक शब्दों के उचित प्रयोग को समझ सकेंगे। 2 प्रकृति में छुपे एकता के संदेश को समझ सकेंगे। 3 विज्ञापन निर्माण की कला में दक्ष होंगे।
VII	1अक्तूबर 24 से 29 अक्तूबर24	पाठ–12 सुदामा चरित पाठ–पानी की कहानी व्याकरण– वाक्य–विचार (रचना के आधार पर) , स्वर – संधि (सभी भेद)	1 छात्र पाठ के किसी भी क्षेत्रीय बोली या उपभाषा में सस्वर वाचन में सक्षम होंगे। 2 श्रीकृष्ण व सुदामा की मित्रता के माध्यम से सच्चे मित्र के गुणों को जानकर स्वयं में विकसित करने का प्रयास करेंगे। 3 रचना के आधार पर वाक्य की पहचान व परिवर्तन को जान सकेंगे।
VIII	04 नवंबर 24 से 29 नवंबर 24	पाठ–16 बाज़ और साँप व्याकरण– समास, समुच्चयबोधक, निपात	1 साहस,लग्न व आत्मविश्वास भरे जीवन जीने के उत्साह से परिचित हो सकेंगे। 2 छात्र सामासिक शब्दों की पहचानकर उनके भेद बताने में सक्षम होंगे।
IX	02 दिसंबर 24 से 27 दिसंबर 24	पाठ–3 बस की यात्रा पाठ–8 यह सबसे कठिन समय नहीं, व्याकरण–मुहावरे, पत्र–लेखन (औपचारिक)	1जीवन में हास्य की उपयोगिता को समझ सकेंगें। 2 परिवहन व्यवस्था की बदहाली के जन–सामान्य पर प्रभाव को जान व समझ सकेंगे। 1 जीवन में आशावादी होने या सकारात्मक सोच के लाभों को जानकर इसका व्यावहारिक जीवन में प्रयोग करेंगे।
X	16 जनवरी 25 से 31 जनवरी 25	पाठ–13 जहाँ पहिया है व्याकरण– विस्मयादिबोधक चित्र–वर्णन	1 छात्र सफलता प्राप्ति हेतु संघर्ष करने के महत्त्व से परिचित होंगे। 2 छात्र दृश्यांकन करने में दक्षता प्राप्त कर सकेगे।
XI	3फरवरी 25 से 28 फरवरी 25	व्याकरण– अलंकार,लघु–कथा लेखन	1 छात्र अलंकार पहचानने की कला में दक्ष होंगे। 2 छात्र रचनात्मक लेखन द्वारा भावाभिव्यक्ति में सक्षम होंगे।
वार्षिक परीक्षा (मार्च 2025)			